तुझे सम्भालूंगा मैं आके जीवन के हर मोड़ पे | by Babli Sharma

बेफिकर तू होजा प्यारे सब कुछ मुझ पर छोड़ के
तुझे सम्भालूंगा मैं आके जीवन के हर मोड़ पे

क्यूँ करता है चिंता इतनी जब हम दोनों साथ हैं
मेरे होते तुझे डराए ये किसकी औकात है
तेरा जीवन सजाऊंगा मैं इक इक कलियाँ जोड़ के
तुझे सम्भालूंगा मैं आके जीवन के हर मोड़ पे

किस्मत से भी लड़ना पड़ा तो तेरे लिए लड़ जाऊँगा
लेकिन तेरी आँख में आंसू देख नहीं मैं पाऊंगा
तुझसे रिश्ता निभाउंगा मैं जग से नाता तोड़ के
तुझे सम्भालूंगा मैं आके जीवन के हर मोड़ पे

सुख या दु:ख हो हानि लाभ हो जीवन जीना पड़ता है
सोने जैसे अगर चमकना आग में तपना पड़ता है
मेरा सुमिरन करले मोहित प्रेम की चुनर ओढ़ के
तुझे सम्भालूंगा मैं आके जीवन के हर मोड़ पे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%9d%e0%a5%87-%e0%a4%b8%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%ad%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%82%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%86%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9c/